JSUNIL TUTORIAL

MODEL QUESTION PAPER - 06

कक्षा—नौवीं
हिंदी ('ए' कोर्स)
(द्वितीय सत्र)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 90**

खंड—क

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर छाँटकर लिखिए : 5 × 1 = 5

मित्र को पथ-प्रदर्शक के समान माना जाता है। हमारे जीवन की उन्नति तथा अवनति बहुत कुछ मित्र के चुनाव पर निर्भर करती है। अतः मित्र का चुनाव करते समय हमें विशेष सावधानी से काम लेना चाहिए। ऐसे लोगों का साथ करना हमारे लिए लाभकारी नहीं जो हम से अधिक दृढ़ संकल्प के हैं। ऐसे मित्र की हर बात हमें माननी पड़ती है। इससे हमारे चरित्र का स्वतंत्र विकास नहीं हो सकता। ऐसे लोगों का साथ भी उचित नहीं जो हमारी ही बात को ऊपर रखें। मित्र ऐसा हो जिस पर हम पूरा विश्वास कर सकें। वह भाई के समान सहायक और हमारे प्रति सहानुभूति दिखाने वाला हो। जो गुण हम में नहीं, वह हमारे मित्र में होने चाहिए। गंभीर प्रकृति वाले मनुष्य को विनोदी पुरुष का संग करना चाहिए और निर्बल को बलवान का तथा महत्त्वाकांक्षी व्यक्ति को किसी महान व्यक्ति की मित्रता करनी चाहिए। मित्र ऐसा चुनना चाहिए जिसके साथ हम अपने गुणों का आदान-प्रदान कर सकें।

(*i*) मित्र जीवन का क्या होता है?
(क) मार्ग-दर्शक (ख) साथी
(ग) सहारा (घ) हितकारी।

(*ii*) मित्र कैसा होना चाहिए?
(क) विश्वसनीय (ख) कमनीय
(ग) सुदर्शनीय (घ) रमणीय।

(*iii*) लेखक मित्र को किसके समान सहायक मानता है?
(क) पत्नी (ख) भाई
(ग) बहन (घ) माता।

(*iv*) विनोदी व्यक्ति का मित्र कैसी प्रकृति का व्यक्ति होना चाहिए?
(क) बलवान (ख) निर्बल
(ग) गंभीर (घ) चंचल।

(*v*) इस गद्यांश का उचित शीर्षक होगा—
(क) मित्र का चुनाव (ख) सच्चा मित्र
(ग) मित्रता के मापदंड (घ) मित्र के गुण।

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर छाँटकर लिखिए— 1 × 5 = 5

संसार के किसी भी कोने में चले जाएँ सभी जगह रहने वाला मानव लगभग एक जैसे स्वभाव से भरा मिलता है। देश, काल तथा परिस्थितियों के अनुसार खान-पान, रहन-सहन में चाहे थोड़ा-बहुत अंतर

http://jsunilltutorial.weebly.com/

JSUNIL TUTORIAL
नज़र आता हो किंतु उनकी आवश्यकताएँ लगभग समान पाई जाती हैं। हिंदू, मुसलमान, सिक्ख, यहूदी आदि सब मानव के स्वयं के बनाए हुए हैं। मूलतः सब एक ही भाँति खाते-पीते, सोते-जागते, हँसते-बोलते दिखाई देते हैं। इतना ही नहीं शारीरिक आकृति में भी विशेष अंतर नहीं दीख पड़ता। इसलिए किसी ने सच कहा है भगवान, खुदा, अल्लाह, वाहेगुरु, सभी जगन्नियता शक्ति के विभिन्न नाम हैं तथा मानव-मात्र उसके पुत्र एवं पुत्रियाँ हैं। इस प्रकार सारा विश्व एक परिवार की भाँति है। यदि हम इसी भावना से केवल मानव धर्म को सर्वोपरि समझकर रहें तो विश्व-शांति एवं सद्भाव बढ़ सकता है।

(*i*) संसार में मनुष्य का स्वभाव लगभग कैसा होता है?
(क) देश के वातावरण के अनुसार (ख) अलग-अलग होता है
(ग) एकसमान होता है (घ) कुछ अंतर होता है।

(*ii*) संसार के किसी भी देश में रहने वाले लोगों की मुख्य आवश्यकताएँ कैसी होती हैं?
(क) अलग-अलग (ख) एकसमान
(ग) देश के अनुरूप (घ) असामान्य।

(*iii*) संसार के विभिन्न देशों के मानवों की आकृति में क्या अंतर होता है?
(क) कुछ-कुछ (ख) नहीं होता
(ग) बहुत होता है (घ) मालूम नहीं।

(*iv*) 'शारीरिक' में प्रत्यय है—
(क) क (ख) रिक
(ग) इक (घ) ईक।

(*v*) इस गद्यांश का उचित शीर्षक होगा—
(क) विश्वबंधुत्व (ख) सद्भाव
(ग) विश्वशांति (घ) हम एक हैं।

3. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों का सही विकल्प छाँटकर उत्तर लिखिए— 1 × 5 = 5

हम अनिकेतन, हम अनिकेतन!
हम तो रमते राम, हमारा क्या घर, क्या दर, कैसा वेतन?
अब तक इतनी यों ही काटी, अब क्या सीखें नव परिपाटी
कौन बनाए आज धरौंदा हाथों चुन-चुन कंकड़-माटी
ठाठ फ़कीराना है अपना, बाघंबर सोहे अपने तन।
देखे महल, झोंपड़े देखे, देखे हास-विलास मज़े के
संग्रह के सब विग्रह देखे, जँचे नहीं कुछ अपने लेखे
लालच लगा कभी पर हिय में मच न सका शोणित उद्वेलन।
हम जो भटके अब तक दर-दर, अब क्या खाक बनाएँगे घर
हमने देखा सदन बने हैं लोगों का अपनापन लेकर
हम क्यों सनें ईंट-गारे में? हम क्यों बनें व्यर्थ में बेमन?

http://jsuniltutorial.weebly.com/

JSUNIL TUTORIAL

ठहरे अगर किसी के दर पर, कुछ शरमाकर कुछ सकुचाकर
तो दरबान कह उठा, बाबा, आगे जा देखो कोई घर
हम रमता बनकर बिचरे पर हमें भिक्षु समझे जग के जन।

(*i*) अनिकेतन का अर्थ है—
(क) बेरोज़गार (ख) भिखारी
(ग) प्रवासी (घ) बेघर।

(*ii*) ये अपने लिए क्या नहीं बनाना चाहते?
(क) घर (ख) महल
(ग) संपत्ति (घ) दुकान।

(*iii*) ऐसे मनमौजी क्या देखकर दुखी हैं?
(क) महल (ख) अपार धन
(ग) लोगों में अपनेपन की कमी (घ) दरबान को।

(*iv*) 'रमते राम' में कौन-सा अलंकार है?
(क) पुनरुक्ति प्रकाश (ख) यमक
(ग) अनुप्रास (घ) श्लेष।

(*v*) कवि को इस संसार के लोग क्या समझते हैं?
(क) भिखारी (ख) ठग
(ग) अवारा (घ) घुमक्कड़।

4. काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर छाँटकर लिखिए— 1 × 5 = 5

तुम भारत, हम भारतीय हैं, तुम माता, हम बेटे
किसकी हिम्मत है कि तुम्हें दुष्टता-दृष्टि से देखे?
ओ माता, तुम एक अरब से अधिक भुजाओं वाली,
सबकी रक्षा में तुम सक्षम, हो अदम्य बलशाली॥
भाषा, वेश, प्रदेश भिन्न हैं, फिर भी भाई-भाई,
भारत की साँझी संस्कृति में पलते भारतवासी।
सुदिनों में हम एक साथ हँसते, गाते, सोते हैं,
दुर्दिन में भी साथ-साथ जगते पौरुष ढोते हैं॥
तुम हो शस्यश्यामला, खेतों में तुम लहराती हो,
प्रकृति प्राणमयि, सामगानमयि, तुम न किसे भाती हो॥
तुम न अगर होती तो धरती वसुधा क्यों कहलाती?
गंगा कहाँ बहा करती, गीता क्यों गाई जाती?

(*i*) यहाँ किसका गुणगान किया गया है?
(क) भारत देश का (ख) भारतवासियों का
(ग) संस्कृति का (घ) उपरोक्त सब का।

http://jsuniltutorial.weebly.com/

JSUNIL TUTORIAL

(ii) यहाँ किस नदी का उल्लेख हुआ है?
(क) यमुना (ख) चंबा
(ग) गंगा (घ) किसी का भी नहीं।

(iii) दुर्दिनों में भारतीय क्या करते हैं?
(क) सोते हैं (ख) रोते हैं
(ग) पुरुषार्थ दिखाते हैं (घ) लड़ते-झगड़ते हैं।

(iv) वसुधा का पर्यायवाची क्या है?
(क) अंबर (ख) धरती
(ग) यामिनी (घ) दामिनी।

(v) 'गीता' किसके लिए आया है?
(क) लड़की का नाम (ख) प्रदेश का नाम
(ग) भारत का पर्यायवाची (घ) धार्मिक पुस्तक।

खंड—ख

5. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए— 1 × 2 = 2
(क) 'दुसाध्य' में प्रयुक्त उपसर्ग और मूल शब्द लिखिए।
(ख) 'पुनर्' उपसर्ग से दो शब्द बनाइए।

6. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए— 1 × 2 = 2
(क) 'गोपनीय' में प्रयुक्त प्रत्यय और मूल शब्द लिखिए।
(ख) 'तया' प्रत्यय से दो शब्द बनाइए।

7. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए— 1 × 3 = 3
(क) 'सद्धर्म' समस्तपद का विग्रह करके समास का नाम लिखिए।
(ख) 'समय के अनुसार' समस्तपद बनाकर समास का नाम लिखिए।
(ग) 'तीन रंगों वाला' समस्तपद बनाकर समास का नाम लिखिए।

8. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए— 1 × 4 = 4
(क) तुम घर जा रहे हो। (अर्थ की दृष्टि से वाक्य का भेद बताइए)
(ख) रोहित रोज पढ़ने जाता है। (अर्थ की दृष्टि से वाक्य का भेद बताइए)
(ग) पत्र लिख देना। (नकारात्मक वाक्य में बदलिए)
(घ) तुम अपना पत्र पढ़ना। (प्रश्नवाचक वाक्य में बदलिए)

9. निम्नलिखित पंक्तियों में से अलंकार चुनकर लिखिए— 1 × 4 = 4
(क) सुलगा फाल्गुन का सूनापन सौंदर्य शिखाओं में अनंत।
(ख) हरिमुख मानो मधुर मयंक।
(ग) विषय-नारिमन-मीन भिन्न गति होत पल एक।
(घ) किरण की लालिमा-सी लाल मदिरा में।

http://jsunniltutorial.weebly.com/

JSUNIL TUTORIAL

खंड—ग

10. निम्नलिखित गद्यावतरण पर आधारित प्रश्नों के उचित उत्तर लिखिए— 2 + 2 + 1 = 5

राखी के दिन बहनें राखी बाँध जाएँ तब तक भाई को निराहार रहना चाहिए। बार-बार कहलाती थीं— 'भाई भूखा बैठा है राखी बँधवाने के लिए।' फिर हम लोग जाते थे। हमको लहरिए या कुछ मिलते थे। इसी तरह मुहर्रम में हरे कपड़े उनके बनते थे तो हमारे भी बनते थे। फिर एक हमारा छोटा भाई हुआ वहाँ, तो ताई साहिबा ने पिताजी से कहा, 'देवर साहब से कहो, वो मेरा नेग ठीक करके रखें। मैं शाम को आऊँगी।' वे कपड़े-वपड़े लेकर आईं। हमारी माँ को वे दुलहन कहती थीं।

(*i*) राखी बाँधने का क्या नियम था?

(*ii*) राखी और मुहर्रम पर इन्हें क्या उपहार मिलते थे?

(*iii*) लेखिका के छोटे भाई के जन्म पर ताई साहिबा ने क्या किया?

अथवा

फोटो ही खिंचाना था, तो ठीक जूते पहन लेते, या न खिंचाते। फोटो न खिंचाने से क्या बिगड़ता था। शायद पत्नी का आग्रह रहा हो और तुम, 'अच्छा, चल भई' कहकर बैठ गए होगे। मगर यह कितनी बड़ी 'ट्रेजडी' है कि आदमी के पास फोटो खिंचाने को भी जूता न हो। मैं तुम्हारी यह फोटो देखते-देखते, तुम्हारे क्लेश को अपने भीतर महसूस करके रो पड़ना चाहता हूँ, मगर तुम्हारी, आँखों का यह तीखा दर्द भरा व्यंग्य मुझे एकदम रोक देता है।

(*i*) किसको अपना फोटो खिंचवाना था?

(*ii*) जूते कैसे थे?

(*iii*) फोटो खिंचाने का आग्रह किसका रहा होगा और क्यों?

11. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए— 2 × 5 = 10

(*i*) सर टामस 'हे' के मैना पर दयाभाव के क्या कारण थे?

(*ii*) लेखिका उर्दू-फ़ारसी क्यों नहीं सीख पाई?

(*iii*) गुरुदेव ने शांति-निकेतन छोड़ने का मन क्यों बनाया?

(*iv*) फटे जूते से निकली उँगली को देखकर लेखक क्या कहता है?

(*v*) बालिका मैना के चरित्र की कौन-सी विशेषता अपनाना चाहेंगे?

12. काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए— 2 + 2 + 1 = 5

एक काले माथे वाली चतुर चिड़िया
श्वेत पंखों के झपाटे मार फौरन।
टूट पड़ती है भरे जल के हृदय पर
एक उजली चटुल मछली
चोंच पीली में दबाकर
दर उड़ती है गगन में

(क) चिड़िया का रूप कैसा है?

(ख) कवि ने चिड़िया को चतुर क्यों कहा है?

(ग) चिड़िया उड़कर कहाँ गई?

http://jsunitutorial.weebly.com/

JSUNIL TUTORIAL

अथवा

मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।
आगे-आगे नाचती-गाती बयार चली,
दरवाजे-खिड़कियाँ खुलने लगीं गली-गली,
पाहुन ज्यों आए हों गाँव में शहर के।
मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।

(क) गाँव में कौन आया था?
(ख) मेघ किस प्रकार से आते हैं?
(ग) गाँव में बादलों का कैसा स्वागत होता है?

13. संक्षिप्त उत्तर दीजिए— 2 × 5 = 10

(*i*) कवि ने सरसों को सयानी कहा है, क्यों?
(*ii*) लता ने बादल रूपी मेहमान को किस तरह और क्यों देखा?
(*iii*) कवि के अनुसार आज हर दिशा दक्षिण दिशा क्यों हो गई है?
(*iv*) मेघ रूपी मेहमान के आगमन से प्रकृति में क्या-क्या परिवर्तन हुए?
(*v*) कविता के आधार पर 'हरे चने' का सौंदर्य अपने शब्दों में लिखिए।

14. आज के युग में सभी लड़कों-लड़कियों के लिए पढ़ाई अति आवश्यक है फिर भी कुछ लोग अपने परिवार के लिए कम पढ़ी-लिखी, दब्बू और अति साधारण बहू लाने की कामना करते हैं। समाज के समुचित विकास के लिए ऐसा करना क्या उचित है? आधुनिक जीवन-मूल्यों को ध्यान में रखते हुए उत्तर दीजिए। 5

खंड—घ

15. नीचे दिए गए विषयों में से किसी एक पर 200-250 शब्दों में निबंध लिखिए— 10

(क) राष्ट्रीय एकता
(ख) दूरदर्शन की उपयोगिता
(ग) बेकारी की समस्या।

16. अपने क्षेत्र में विद्युत की अनियमित आपूर्ति की शिकायत का पत्र विद्युत निगम के अध्यक्ष को लिखिए। 5

17. देश-विदेश में रोज़गार प्रदान कराने हेतु नई युवा नीति संबंधी प्रतिवेदन लिखिए। 5

http://jsuniltutorial.weebly.com/

JSUNIL TUTORIAL

कक्षा—नौवीं

हिंदी ('ए' कोर्स)

(द्वितीय सत्र)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 90**

खंड—क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर छाँटकर लिखिए— 1×5 = 5

कामना ही सारे पापों की जड़ है। भगवान ने गीता में अर्जुन से कहा कि काम, क्रोध तथा लोभ, ये तीन नरक के द्वार आत्मा का नाश करने वाले हैं, अतः इन तीनों को त्याग देना चाहिए। मानव को अपने उद्धार हेतु केवल भगवन्नाम का सहारा लेना चाहिए। कारण हर संकट, मुसीबत और दुखों से बचने का यही एकमात्र उपाय है। कलियुग में तो भगवन्नाम की अपार महिमा है। प्रभु का नाम पापी से पापी को भी तार देता है। गीता में भगवान ने स्वयं कहा है कि दुराचारी से दुराचारी भी यदि मेरा भजन करता है तो मैं उसे सारे पापों से मुक्त कर धर्मात्मा बना देता हूँ। प्रभु का नाम किसी भी समय जपा जा सकता है। नाम जपने में समय का कोई प्रतिबंध नहीं है। नाम जपने का लोभ होना चाहिए। भक्ति में, भजन में, प्रभु का नाम स्मरण करने में कभी संतोष करके नहीं बैठ जाना चाहिए कि अब और नहीं करेंगे। जिसे जपने का चस्का पड़ जाए वह बिना जपे रह ही नहीं सकता है। प्रभु नाम में वह शक्ति है जो बड़ी-से-बड़ी मुसीबतों से भी जीव की रक्षा करता है।

(*i*) सब पापों की जड़ है—

(क) मनुष्य का अविश्वास (ख) मनुष्य की ईर्ष्यावृत्ति

(ग) मनुष्य का सत्याचरण (घ) मनुष्य की अनंत इच्छाएँ।

(*ii*) गीता में किसने अर्जुन को उपदेश दिया था?

(क) श्रीराम (ख) श्रीकृष्ण

(ग) श्रीविष्णु (घ) श्रीब्रह्मा।

(*iii*) भगवान के नाम-स्मरण की महिमा किस युग में सबसे अधिक है?

(क) सतयुग (ख) त्रेतायुग

(ग) द्वापरयुग (घ) कलियुग।

(*iv*) प्रभु का नाम-स्मरण किस समय करना चाहिए?

(क) सुबह (ख) दोपहर

(ग) संध्या (घ) किसी भी समय।

(*v*) किस चीज़ का लोभ होना चाहिए?

(क) धन-दौलत (ख) संतान

(ग) सम्मान (घ) प्रभु नाम-स्मरण।

2. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए— 1 × 5 = 5

http://jsuniltutorial.weebly.com/

विश्व के समस्त जीवधारियों में सृष्टिकर्ता की सर्वश्रेष्ठ कृति मानव-देह है और मानव-देह के प्रभु प्रदत्त

JSUNIL TUTORIAL

वरदानों में सर्वश्रेष्ठ मानव-मस्तिष्क है। मनीषियों ने मन को भिन्न-भिन्न ढंग से व्याख्यायित किया है। मन का सामान्य अर्थ है प्राणी की वह शक्ति जिसके द्वारा उन्हें विचार, संकल्प, विकल्प, प्रयत्न-बोध, अपना, पराया, सुख, दुख आदि की अनुभूति होती है। मन स्वभाव से ही स्वच्छंद प्रवृत्ति का होता है। उसकी मनोनुकूल कार्यों में ही विशेष रुचि होती है। मन चंचल और निरंकुश होने के कारण परिवेश से शीघ्र प्रभावित हो जाता है। हमारा मन विचारों का मुख्य केंद्र और विचार करना उसका प्रमुख धर्म है, जबकि शरीर का धर्म उसी के अनुरूप क्रियान्वयन करना है। मनोवैज्ञानिक का मानना है कि एक मिनट में लगभग पच्चीस विचार हमारे मन में आते-जाते हैं, जिनमें चिंतन के बाद कोई एक विचार स्थिर हो जाता है।

(*i*) विश्व में सर्वश्रेष्ठ जीवधारी किसे माना गया है?

(क) सिंह को (ख) हाथी को

(ग) मानव को (घ) मोर को।

(*ii*) जीवधारियों में मनुष्य के श्रेष्ठ होने का कारण उसकी—

(क) शक्ति है (ख) काया है

(ग) सौंदर्य है (घ) बुद्धि है।

(*iii*) मन किस प्रवृत्ति का है?

(क) स्थिर रहता है (ख) चंचल रहता है

(ग) दृढ़ रहता है (घ) गतिशील रहता है।

(*iv*) शरीर किसके संकेतों पर कार्य करता है?

(क) मस्तिष्क (ख) चक्षु

(ग) मन (घ) कर।

(*v*) हमारे मन में एक मिनट में लगभग कितने विचार आते-जाते हैं?

(क) बीस (ख) पच्चीस

(ग) तीस (घ) पैंतीस।

3. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए— 1 × 5 = 5

क्या रोकेंगी मुझे विषमता, क्या झंझाओं के बर्तन।
मुझे पथिक कम रोक सके हैं, जीवन के उत्थान-पतन!
मैं गतिशील पथिक हूँ, मेरे रुके आज तक नहीं चरण
शूलों के बदले फूलों का किया न मैंने कभी चयन
मैं विपदाओं में मुस्काता नव आशा के दीप लिए
फिर क्या कर पाएँगे, ये जग के खंडन-मंडन!
मुझे झुलाता आया युग से लहरों का भीषण कंपन,
मेरी श्वास छिपाए फिरती ज्वालामुखियों की धड़कन।
मैं बढ़ता अविराम निरंतर, चाहों का उन्माद लिए,
फिर मुझको क्या डरा सकेंगे ये तूफानों के गर्जन!
मैं अटका कब, कब झटका मैं, सतत डगर मेरा संबल

http://jsunilTutorial.weebly.com/

JSUNIL TUTORIAL

बाँध सकी पगले कब मुझको, यह युग ही प्राचीर निबल
आँधी हों, ओले वर्षा हों, राह सुपरिचित है मेरी
फिर मेरा पथ क्या रोकेगी, अंतर की कोमल धड़कन!

(*i*) 'झंझाओं के बर्तन' से क्या आशय है?

(क) वाद्य बजाते बर्तन (ख) आपस में टकराते बर्तन
(ग) जीवन में आने वाली खुशियाँ (घ) जीवन में आने वाली मुसीबतें।

(*ii*) कवि सदा किनका चयन करता रहा?

(क) खुशियों का (ख) मित्रों का
(ग) पत्रों का (घ) मुसीबतों का।

(*iii*) मुसीबतों में भी कवि किसकी कामना करता रहा?

(क) सफल होने की आशा (ख) किसी से मिलने की
(ग) किसी से लड़ने की (घ) किसी से और मुसीबतें मिलने की।

(*iv*) कवि निरंतर आगे किसके बल पर बढ़ रहा है?

(क) मित्रों के (ख) आत्म-विश्वास के
(ग) कामनाओं के उन्माद के (घ) शारीरिक शक्ति के।

(*v*) कवि का लक्ष्य है—

(क) निरंतर गतिमान रहना (ख) निरंतर धन कमाना
(ग) निरंतर संघर्ष करना (घ) निरंतर प्रसन्न रहना।

4. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर छाँटकर लिखिए— 1 × 5 = 5

नावें और जहाज़ नदी नद
सागर-जल पर तरते हैं।
पर नभ पर इनसे भी सुंदर
जलधर-निकर विचरते हैं॥
इंद्र-धनुष जो स्वर्ग-सेतु-सा
वृक्षों के शिखरों पर है।
जो धरती से नभ तक रचता
अद्भुत मार्ग मनोहर है॥
मनमाने निर्मित नदियों के
पुल से वह अति सुंदर है।
निज कृति का अभिमान व्यर्थ ही
करता अविवेकी नर है॥

(*i*) नभ पर क्या तैरते हैं?

(क) नावें (ख) जहाज़
(ग) पक्षी (घ) बादल।

http://jsuniltutorial.weebly.com/

JSUNIL TUTORIAL

(*ii*) स्वर्ग सेतु किसे कहा गया है?

(क) शिव धनुष को (ख) राम धनुष को

(ग) काम धनुष को (घ) सुरेंद्र धनुष को।

(*iii*) धरती से आकाश तक सुंदर मार्ग की रचना कौन करता है?

(क) इंद्र (ख) राम

(ग) शिव (घ) काम।

(*iv*) 'अद्भुत मार्ग मनोहर है' में अलंकार है—

(क) उपमा (ख) श्लेष

(ग) यमक (घ) अनुप्रास।

(*v*) अपनी निर्मिति पर अभिमान कौन करता है?

(क) देवता (ख) राक्षस

(ग) मानव (घ) इंद्र।

खंड—ख

5. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए— 1 × 2 = 2

(क) 'प्राक्कथन' में प्रयुक्त उपसर्ग और मूल शब्द लिखिए।

(ख) 'दु' उपसर्ग से दो शब्द बनाइए।

6. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए— 1 × 2 = 2

(क) 'भावुक' में प्रयुक्त प्रत्यय और मूल शब्द लिखिए।

(ख) 'आई' प्रत्यय से दो शब्द बनाइए।

7. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए— 1 × 3 = 3

(क) 'दशमुख' समस्तपद का विग्रह करके समास का नाम लिखिए।

(ख) 'दिन की चर्या' समस्तपद का विग्रह करके समास का नाम लिखिए।

(ग) 'दानवीर' समस्तपद का विग्रह करके समास का नाम लिखिए।

8. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए— 1 × 4 = 4

(क) अपनी-अपनी आस्था के अनुसार नित्य प्रार्थना करनी चाहिए। (अर्थ की दृष्टि से वाक्य का भेद बताइए)

(ख) आप अपना काम करेंगे। (अर्थ की दृष्टि से वाक्य का भेद बताइए)

(ग) वहाँ जाकर बैठो। (अर्थ की दृष्टि से वाक्य का भेद बताइए)

(घ) उसने कोई कसर नहीं छोड़ी। (विधानवाचक वाक्य में बदलिए)

9. निम्नलिखित पंक्तियों में से अलंकार चुनकर लिखिए— 1 × 4 = 4

(क) मधुर-मधुर मुस्कान मनोहर।

(ख) काली घटा का घमंड घटा।

(ग) पी तुम्हारी मुख बास तरंग, आज बौरे भौंरे सहकार।

http://jsuniltutorial.weebly.com/

(घ) तारा-सी तुम सुंदर।

JSUNIL TUTORIAL

खंड—ग

10. निम्नलिखित गद्यावतरण से उचित विकल्प चुनकर उत्तर छाँटिए— 1 × 5 = 5

बाबा कहते थे, इसको हम विदुषी बनाएँगे। मेरे संबंध में उनका विचार बहुत ऊँचा रहा। इसलिए 'पंचतंत्र' भी पढ़ा मैंने, संस्कृत भी पढ़ी। ये अवश्य चाहते थे कि मैं उर्दू-फ़ारसी सीख लूँ, लेकिन वह मेरे वश की नहीं थी। मैंने जब एक दिन मौलवी साहब को देखा तो बस, दूसरे दिन मैं चारपाई के नीचे जा छिपी। तब पंडित जी आए संस्कृत पढ़ाने। माँ थोड़ी-बहुत संस्कृत जानती थीं। गीता में उन्हें विशेष रुचि थी। पूजा-पाठ के समय मैं थी बैठ जाती थी और संस्कृत सुनती थी। उसके उपरांत उन्होंने मिशन स्कूल में रख दिया मुझको। मिशन स्कूल में वातावरण दूसरा था, प्रार्थना दूसरी थी। मेरा मन नहीं लगा। वहाँ जाना बंद कर दिया। जाने में रोने-धोने लगी। तब उन्होंने मुझको क्रास्थवेट गर्ल्स कॉलेज में भेजा, जहाँ मैं पाँचवें दर्जे में भर्ती हुई। यहाँ का वातावरण बहुत अच्छा था उस समय। हिंदू लड़कियाँ भी थीं ईसाई लड़कियाँ भी थीं। हम लोगों का एक ही मेस था। उस मेस में प्याज तक नहीं बनता था।

(*i*) लेखिका को विदूषी कौन बनाना चाहता था?

(*ii*) लेखिका क्या नहीं सीख पाई थी?

(*iii*) माँ को अधिक रुचि किसमें थी?

अथवा

कानपुर में भीषण हत्याकांड करने के बाद अंग्रेज़ों का सैनिक दल बिठूर की ओर गया। बिठूर में नाना साहब का राजमहल लूट लिया गया, पर उसमें बहुत-थोड़ी संपत्ति अंग्रेज़ों के हाथ लगी। इसके बाद अंग्रेज़ों ने तोप के गोलों से नाना साहब का महल भस्म कर देने का निश्चय किया। सैनिक दल ने जब वहाँ तोपें लगाईं, उस समय महल के बरामदे में एक अत्यंत सुंदरी बालिका उठकर खड़ी हो गई।

(*i*) नाना साहब का राजमहल कहाँ था?

(*ii*) अंग्रेज़ों ने क्या निश्चय किया?

(*iii*) भीषण हत्याकांड कहाँ हुआ था?

11. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए— 2 × 5 = 10

(*i*) लेखिका ने अपनी माँ के व्यक्तित्व की किन विशेषताओं का उल्लेख किया है?

(*ii*) मैना जड़ पदार्थ मकान क्यों बनाना चाहती थी?

(*iii*) महादेवी वर्मा के छात्रावास का वातावरण कैसा था?

(*iv*) लेखिका उर्दू-फ़ारसी क्यों नहीं सीख पाई?

(*v*) मैना दंपति आपस में क्या बातें करते होंगे?

12. काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए— 2 + 2 + 1 = 5

पर आज जिधर भी पैर करके सोओ
वही दक्षिण दिशा हो जाती है
सभी दिशाओं में यमराज के आलीशान महल हैं
और वे सभी में एक साथ
अपनी दहकती आँखों सहित विराजते हैं
माँ अब नहीं है

http://jsunil tutorial.weebly.com/

JSUNIL TUTORIAL

और यमराज की दिशा भी वह नहीं रही
जो माँ जानती थी।

(क) कवि के लिए हर दिशा दक्षिण क्यों हो जाती है?

(ख) यमराज की दिशा अब कौन-सी है?

(ग) कवि की माँ कहाँ गई जो सब जानती थी?

अथवा

कोहरे से ढकी सड़क पर बच्चे काम पर जा रहे हैं।
सुबह-सुबह
बच्चे काम पर जा रहे हैं
हमारे समय की सबसे भयानक पंक्ति है यह
भयानक है इसे विवरण की तरह लिखा जाना
लिखा जाना चाहिए इसे सवाल की तरह
काम पर क्यों जा रहे हैं बच्चे?

(क) बच्चे किस समय कहाँ जा रहे हैं?

(ख) कवि ने किसे भयानक माना है?

(ग) कवि इस बात को किस रूप में प्रकट करना चाहता है?

13. संक्षिप्त उत्तर दीजिए— $2 \times 5 = 10$

(*i*) कविता के आधार पर हरे चने का सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

(*ii*) 'मेघ आए' कविता में किन रीति-रिवाजों का मार्मिक चित्रण हुआ है?

(*iii*) सुविधा और मनोरंजन के उपकरणों से बच्चे वंचित क्यों हैं?

(*iv*) कवि ने बुजुर्ग किसे कहा है और क्यों?

(*v*) कवि के अनुसार आज हर दिशा दक्षिण दिशा क्यों बन गई?

14. परिश्रमी होने पर भी माटी वाली दीन-हीन और असहाय थी। बूढ़े असहाय पति के अतिरिक्त उसके पास कुछ भी नहीं था। उसके द्वारा यह कहना कि 'गरीब आदमी का श्मशान नहीं उजड़ना चाहिए' क्या आप को उचित प्रतीत है? समाज के अति निम्न वर्ग की कैसी पीड़ा और असहायता इस कथन में छिपी हुई है। समाज और सरकार के द्वारा इस वर्ग के लिए क्या किया जा सकता है? 5

खंड—घ

15. किसी एक विषय पर 200-250 शब्दों में निबंध लिखिए— 10

(क) भारतीय किसान

(ख) विज्ञान वरदान या अभिशाप

(ग) नारी और नौकरी

16. अपने मित्र को ग्रीष्मावकाश में अपने घर शिमला आने का निमंत्रण देते हुए पत्र लिखिए। 5

17. महिलाओं पर होने वाले घरेलू उत्पीड़न से संबंधित जाँच समिति का प्रतिवेदन लिखिए। 5

http://jsunitutorial.weebly.com/

JSUNIL TUTORIAL

कक्षा—नौवीं

हिंदी ('ए' कोर्स)

(द्वितीय सत्र)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 90**

खंड—क

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर छाँटकर लिखिए : 1 × 5 = 5

किसी भी व्यक्ति के लिए अपने सामान्य कार्यों को करने के साथ-साथ अपने निजी कार्य करने भी आवश्यक हो जाते हैं, क्योंकि स्वयं कार्य करने से कार्य-कौशल बढ़ता है। मनुष्य के अंदर छिपी आलस्य की भावना का विनाश होता है। उसकी अपने दायित्वों के प्रति रुचि बढ़ती है। स्वयं कार्य करने वाला व्यक्ति आदर्श एवं कर्मठ व्यक्ति की श्रेणी में गिना जाता है। उसका यह कार्य उसके जीवन से आलस्य तथा कामचोरी करने वाले भावों को एकदम से मिटा देता है। जीवन में सफलता के शिखर पर पहुँचने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने कार्य स्वयं ही करने चाहिएँ। मुंशी प्रेमचंद, लाल बहादुर शास्त्री, इब्राहिम लिंकन आदि ऐसी ही महान विभूतियाँ हैं जो अपने सामान्य और निजी कार्य स्वयं ही करना पसंद करते थे, तभी इतने महान युग-निर्माता बने। अतः सभी को अपने सामान्य और निजी कार्य स्वयं करने चाहिए।

(*i*) स्वयं कार्य करने से कार्य क्षमता में क्या आती है?
(क) चंचलता (ख) कुशलता
(ग) निपुणता (घ) गति।

(*ii*) मनुष्य के अंदर छिपी किस भावना का कार्य करने से नाश होता है?
(क) हीन (ख) आलस्य
(ग) उमंग (घ) अहंकार।

(*iii*) स्वयं कार्य करने वाला व्यक्ति क्या माना जाता है?
(क) कर्महीन (ख) कर्मचारी
(ग) कर्मकार (घ) कर्मठ।

(*iv*) इब्राहिम लिंकन कहाँ के राष्ट्रपति थे?
(क) जर्मनी (ख) रूस
(ग) अमेरिका (घ) ऑस्ट्रेलिया।

(*v*) इस गद्यांश का उचित शीर्षक होगा—
(क) आलस्य का त्याग (ख) कर्मशीलता
(ग) आत्मानुभव (घ) कर्मठता।

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर छाँटकर लिखिए— 1 × 5 = 5

मनुष्य को सर्वश्रेष्ठ प्राणी इसलिए नहीं कहा जाता कि वह खाता, पीता, सोता, हँसता, चलता तथा संतान उत्पन्न करता है। यह सब कार्य तो पशु भी करते हैं। फिर भी मनुष्य तथा अन्य प्राणियों में क्या अंतर

http://jsuniltutorial.weebly.com/

JSUNIL TUTORIAL

है। मनुष्य के पास विवेक है। वह अच्छे और बुरे में अंतर कर सकता है। मानव अपनी बुद्धिबल से सभी जीवों पर विजय प्राप्त करता आया है। इतना ही नहीं नए-नए अनुसंधानों तथा आविष्कारों द्वारा उसने अपने जीवन को सुख एवं सुविधाओं से भर दिया है। विज्ञान की प्रगति यदि इसी प्रकार होती रही तो वह दिन दूर नहीं जब यही पृथ्वी स्वर्ग बन जाएगी। आवश्यकता इस बात की है कि यह अपने विवेक और बुद्धिबल का प्रयोग विनाशकारी कार्यों में न करके रचनात्मक कार्यों में करे। यदि ज्ञान-विज्ञान का दुरुपयोग होता रहा तो वह अपना अस्तित्व मिटा देगा। अतः आत्मसंयम एवं विवेक ही एकमात्र सुख और शांति का मार्ग है।

(*i*) मनुष्य सर्वश्रेष्ठ प्राणी अपने किस गुण से है?

(क) खान-पान से (ख) आर्थिक बल से

(ग) शारीरिक बल से (घ) विवेक से।

(*ii*) मनुष्य ने सभी जीवों पर किसके बल पर विजय प्राप्त की है?

(क) शरीर (ख) मन

(ग) बुद्धि (घ) अस्त्र-शस्त्र।

(*iii*) मानव-जीवन सुख-सुविधाओं से किसके द्वारा संपन्न हुआ है?

(क) प्रकृति के (ख) विज्ञान के

(ग) धन के (घ) बल के।

(*iv*) ज्ञान-विज्ञान के दुरुपयोग से किसका विनाश होगा?

(क) पर्यावरण का (ख) मानवता का

(ग) जीवों का (घ) सब का।

(*v*) इस गद्यांश का उचित शीर्षक होगा—

(क) बुद्धि बल (ख) मानव की श्रेष्ठता

(ग) आत्म संयम (घ) संतुलित जीवन।

3. निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर छाँटकर लिखिए— 1 × 5 = 5

कहो, तुम्हारी जन्मभूमि का है कितना विस्तार?
भिन्न-भिन्न यदि देश हमारे तो किसका संसार
धरती को हम काटें छाँटें,
तो उस अंबर को भी बाँटें,
एक अनल है, एक सलिल है, एक अनिल संचार,
कहो, तुम्हारी जन्मभूमि का है कितना विस्तार?
एक भूमि है, एक व्योम है
एक सूर्य है, एक सोम है
एक प्रकृति है, एक पुरुष है, अगणित रूपाकार,
कहो, तुम्हारी जन्मभूमि का है कितना विस्तार?

(*i*) यहाँ जन्मभूमि से कवि का क्या तात्पर्य है?

(क) जहाँ जन्म हो (ख) केवल अपना देश

(ग) सारी भूमि (घ) सीमित भूमि।

http://jsuniltutorial.weebly.com/

JSUNIL TUTORIAL

(*ii*) मानव ने किसे आपस में बाँट लिया है?

(क) धरती को (ख) देशों को

(ग) धर्म को (घ) धन को।

(*iii*) मानव किसे न बाँट पाया?

(क) धरती को (ख) पानी को

(ग) आकाश को (घ) ख, ग दोनों।

(*iv*) कवि के अनुसार क्या एक है, परंतु रूपाकार भिन्न है?

(क) सभ्यता (ख) संस्कृति

(ग) धर्म (घ) प्रकृति।

(*v*) व्योम, सोम के क्या पर्याय हैं?

(क) धरती, सागर (ख) आकाश, चंद्रमा

(ग) मानव, पृथ्वी (घ) आकाश, तारे।

4. निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर छाँटकर लिखिए— 1 × 5 = 5

गति प्रबल पैरों में भरी
फिर क्यों रहूँ दर-दर खड़ा
जब आज मेरे सामने
है रास्ता इतना पड़ा
जब तक न मंजिल पा सकूँ, तब तक मुझे न विराम है,
चलना हमारा काम है।
कुछ कह लिया, कुछ सुन लिया
कुछ बोझ अपना बँट गया
अच्छा हुआ, तुम मिल गई,
कुछ रास्ता ही कट गया
क्या राह में परिचय कहूँ, राही हमारा नाम है,
चलना हमारा काम है।
जीवन अपूर्ण लिए हुए
पाता कभी खोता कभी
आशा निराशा से घिरा,
हँसता कभी रोता कभी
गति-मति न हो अवरुद्ध, इसका ध्यान आठों याम है,
चलना हमारा काम है।
इस विशद विश्व-प्रवाह में
किसको नहीं बहना पड़ा
सुख-दुख हमारी ही तरह
किसको नहीं सहना पड़ा
फिर व्यर्थ क्यों कहता फिरूँ, मुझ पर विधाता वाम है,
चलना हमारा काम है।

http://jsuniltutorial.weebly.com/

JSUNIL TUTORIAL

(i) 'चलना' से क्या तात्पर्य है?
(क) भटकना (ख) घर लौटना
(ग) टहलना (घ) जीवन से आगे बढ़ना।

(ii) जीवन-पथ में साथी मिलने से क्या लाभ है?
(क) रास्ते में डर नहीं लगता (ख) रास्ता आराम से कट जाता है
(ग) आपस में बातें करते हैं (घ) एक से दो भले होते हैं।

(iii) राही कब तक चलता रहता है? जब तक—
(क) वह थक न जाए (ख) उसे लक्ष्य प्राप्त न हो
(ग) कोई साथी न मिले (घ) कोई बाधा न आए।

(iv) राही को आठों याम क्यों याद रखना चाहिए?
(क) भयभीत नहीं होना (ख) सदा चलते रहना
(ग) किसी को दोष न देना (घ) बाधाओं का सामना करना।

(v) कवि ईश्वर को किस के लिए दोष नहीं देता?
(क) बाधाओं के लिए (ख) सुख के लिए
(ग) गतिशीलता के लिए (घ) चलते रहने के लिए।

खंड—ख

5. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए— 1 × 2 = 2
(क) 'सम्मान' में प्रयुक्त उपसर्ग और मूल शब्द लिखिए।
(ख) 'चिर' उपसर्ग से दो शब्द बनाइए।

6. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए— 1 × 2 = 2
(क) 'जुर्माना' में प्रयुक्त प्रत्यय और मूल शब्द लिखिए।
(ख) 'औती' प्रत्यय से दो शब्द बनाइए।

7. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए— 1 × 3 = 3
(क) 'क्रोधाग्नि' समस्तपद का विग्रह करके समास का नाम लिखिए।
(ख) 'महान है जो आत्मा' समस्तपद बनाकर समास का नाम लिखिए।
(ग) 'यथाक्रम' समस्तपद का विग्रह करके समास का नाम लिखिए।

8. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए— 1 × 4 = 4
(क) चिराग गीत गा रहा है। (अर्थ की दृष्टि से वाक्य का भेद बताइए)
(ख) वर्षा आएगी। (अर्थ की दृष्टि से वाक्य का भेद बताइए)
(ग) वाक्य किसे कहते हैं?
(घ) प्रश्नवाचक वाक्य किसे कहते हैं?

9. निम्नलिखित पंक्तियों में से अलंकार चुनकर लिखिए— 1 × 4 = 4
(क) मजबूत शिला-सी दृढ़ छाती।
(ख) जगती-जगती की मूक प्यास।
(ग) भजु मन चरण कंवल अविनासी।
(घ) मधुवन की छाती को देखो,
सूखी कितनी इसकी कलियाँ।

http://jsuniltutorial.weebly.com/

JSUNIL TUTORIAL

खंड—ग

10. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सही उत्तर का चयन कीजिए— $1 \times 5 = 5$

बचपन की स्मृतियों में एक विचित्र-सा आकर्षण होता है। कभी-कभी लगता है, जैसे सपने में सब देखा होगा। परिस्थितियाँ बहुत बदल जाती हैं। अपने परिवार में कई पीढ़ियों के बाद उत्पन्न हुई थी। मेरे परिवार में प्रायः दो सौ वर्ष तक कोई लड़की थी ही नहीं। सुना है, उसके पहले लड़कियों को पैदा होते ही परमधाम भेज देते थे।

(*i*) बचपन की स्मृतियों से क्या तात्पर्य है और ये विचित्र क्यों लगती हैं?

(*ii*) लेखिका के परिवार में पूर्वजों ने किस बुरे कृत्य को किया होगा और क्यों?

(*iii*) इस अवतरण के आधार पर परिस्थितियों बदलते स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

एक दूसरी बार मैं सवेरे गुरुदेव के पास उपस्थित था। उस समय एक लँगड़ी मैना फुदक रही थी। गुरुदेव ने कहा, "देखते हो, यह यूथभ्रष्ट है। रोज फुदकती है, ठीक यहीं आकर। मुझे इसकी चाल में एक करुण-भाव दिखाई देता है।" गुरुदेव ने अगर कह न दिया होता तो मुझे उसका करुण-भाव एकदम दीखता। मेरा अनुमान था कि मैना करुण भाव दिखाने वाला पक्षी है ही नहीं। वह दूसरों पर अनुकंपा ही दिखाया करती है।

(*i*) लँगड़ी मैना कब फुदक रही थी?

(*ii*) 'यूथभ्रष्ट' किस विशेष को कहा गया है?

(*iii*) लेखक को अचानक क्या दिखाई दिया?

11. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए— $2 \times 5 = 10$

(*i*) बालिका मैना के चरित्र की कौन-कौन-सी विशेषताएँ अपनाना चाहेंगे?

(*ii*) लेखिका ने अपनी माँ की किन विशेषताओं का चित्रण किया है?

(*iii*) मूक प्राणी मनुष्य से कम संवेदनशील नहीं होते? कैसे?

(*iv*) फटे जूते से निकली उँगली को देखकर लेखक ने क्या कहा था? क्यों?

(*v*) मैना के मकान को अंग्रेज क्यों नष्ट करना चाहते थे?

12. काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए— $2 + 2 + 1 = 5$

फैली खेतों में दूर तलक
मखमल की कोमल हरियाली
लिपटी जिससे रवि की किरणें
चाँदी की सी उजली जाली।
तिनकों के हरे-हरे तन पर
हिल हरित रुधिर है रहा झलक,
श्याम भू तल पर झुका हुआ
नभ का चिर निर्मल नील फलक।

http://jsuniltutorial.weebly.com/

JSUNIL TUTORIAL

(क) खेतों में फैली हरियाली कैसी दिखाई देती है?

(ख) हरे-भरे तिनकों में क्या झलकता प्रतीत होता है?

(ग) नीला आकाश किस पर झुका हुआ है?

अथवा

एक चाँदी का बड़ा-सा गोल खंभा
आँख को है चकमकाता।
हैं कई पत्थर किनारे
पी रहे चुपचाप पानी,
प्यास जाने कब बुझेगी

(क) कवि ने चाँदी का बड़ा-सा गोल खंभा किसे कहा है?

(ख) पत्थर कहाँ हैं?

(ग) पत्थर क्या करते प्रतीत हो रहे हैं?

13. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए— 2 × 5 = 10

(*i*) मेघ रूपी मेहमान के आने से वातावरण में क्या-क्या परिवर्तन हुए थे?

(*ii*) अलसी के लिए हठीली विशेषण का प्रयोग क्यों हुआ?

(*iii*) कवि ने पीपल को ही कुलुर्ग क्यों कहा है?

(*iv*) कवि के अनुसार आज हर दिशा दक्षिण दिशा क्यों बन गई है?

(*v*) कवि ने प्रकृति का मानवीकरण कहाँ-कहाँ किया है?

14. माटीवाली को घर की मालकिन ने दो बासी रोटियाँ खाने के लिए दी थीं जिनमें से उसने एक रोटी चोरी-चोरी अपने सिर पर रखे डिब्बे के कपड़े के मोड़ों में छिपा ली थी। क्या उसका यह कार्य आप को उचित प्रतीत होता है? उसकी किस मानसिकता ने उसे ऐसा करने के लिए विवश किया होगा? तर्क सहित अभाव ग्रस्त व्यक्ति के जीवनबोध को ध्यान में रख कर उत्तर दीजिए। 5

खंड—घ

15. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 200-250 शब्दों में निबंध लिखिए— 10

(क) भ्रष्टाचार एक समस्या

(ख) बाढ़ का प्रकोप

(ग) नारी और शिक्षा।

16. शिक्षा मंत्री को अपने क्षेत्र में पुस्तकालय खोलने के लिए पत्र लिखिए। 5

17. बाल-मजदूरी की रोकथाम करने वाली समिति की जाँच का प्रतिवेदन लिखिए। 5

http://jsunil-tutorial.weebly.com/

MODEL QUESTION PAPER - 09
JSUNIL TUTORIAL

कक्षा—नौवीं
हिंदी ('ए' कोर्स)
(द्वितीय सत्र)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 90**

खंड—क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर छाँटकर लिखिए—1×5 = 5

गाय जब मेरे बँगले पर पहुँची, तब मेरे परिचितों और परिचारकों में श्रद्धा का ज्वार-सा उमड़ आया। उसे लाल-सफ़ेद गुलाबों की माला पहनाई गई, केशर-रोली का बड़ा-सा टीका लगाया गया, घी का चौमुख दीया जलाकर आरती उतारी गई और उसे दही-पेड़ा खिलाया गया। उसका नामकरण हुआ गौरांगिनी या गौरा। पता नहीं, इस पूजा-अर्चना का उस पर क्या प्रभाव पड़ा, परंतु वह बहुत प्रसन्न जान पड़ी। उसकी बड़ी चमकीली और काली आँखों में जब आरती के दीये की लौ प्रतिफलित होकर झिलमिलाने लगी, तब कई दीयों का भ्रम होने लगा। जान पड़ा, जैसे रात में काली दिखने वाली लहर पर किसी ने दीये प्रवाहित कर दिए हों। गौरा वास्तव में बहुत प्रियदर्शन थी, विशेषत: उसकी काली बिल्लौरी आँखों का तरल सौंदर्य तो दृष्टि को बाँधकर स्थिर कर देता था। चौड़े उज्ज्वल माथे और लंबे साँचे में ढले हुए से मुख पर आँखें बर्फ़ में नीले जल के कुंडों के समान लगती थीं। उनमें एक अनोखा विश्वास का भाव रहता था। गाय के नेत्रों में हिरन के नेत्रों जैसा चकित विस्मय न होकर एक आत्मीय विश्वास ही रहता है। उस पशु को मनुष्य से यातना ही नहीं, निर्मम मृत्यु तक प्राप्त होती है, परंतु उसकी आँखों के विश्वास का स्थान न विस्मय ले पाता है, न आतंक।

(*i*) गाय के आने पर लेखिका के परिचितों और परिचारकों में किसका ज्वार-सा उमड़ आया?
(क) उमंग (ख) स्नेह
(ग) प्रेम (घ) श्रद्धा।

(*ii*) गाय को किन फूलों की माला पहनाई गई?
(क) गुलाब (ख) कमल
(ग) गेंदा (घ) मोतिया।

(*iii*) गौरा वास्तव में बहुत क्या थी?
(क) सुशील (ख) गोरी
(ग) प्रियदर्शनी (घ) शुभांगिनी।

(*iv*) गाय की आँखें किसमें नीले जल के कुंडों जैसी लगती थीं?
(क) बर्फ़ में (ख) सरोवर में
(ग) झील में (घ) नभ में।

http://jsuniltutorial.weebly.com/

JSUNIL TUTORIAL

(v) गाय की आँखों में लेखिका को दिखाई देता था—

(क) भय (ख) संकोच

(ग) अपनापन (घ) उदासीनता।

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर छाँटकर लिखिए—1 × 5 = 5

साहस की ज़िंदगी सबसे बड़ी ज़िंदगी होती है। ऐसी ज़िंदगी की सबसे बड़ी पहचान यह है कि वह बिलकुल निडर, बिलकुल बेख़ौफ होती है। साहसी मनुष्य की पहली पहचान यह है कि वह इस बात की चिंता नहीं करता कि तमाशा देखने वाले लोग उसके बारे में क्या सोच रहे हैं। जनमत की उपेक्षा करके जीने वाला आदमी दुनिया की असली ताकत होता है और मनुष्यता को प्रकाश भी उसी आदमी से मिलता है। अड़ोस-पड़ोस को देखकर चलना, यह साधारण जीव का काम है। क्रांति करने वाले लोग अपने उद्देश्य की तुलना न तो पड़ोसी के उद्देश्य से करते हैं और न अपनी चाल को ही पड़ोसी की चाल देखकर मद्धिम बनाते हैं। साहसी मनुष्य उन सपनों में भी रस लेता है जिन सपनों का कोई व्यावहारिक अर्थ नहीं है। साहसी मनुष्य सपने उधार नहीं लेता, वह अपने विचारों में रमा हुआ अपनी ही किताब पढ़ता है। झुंड में चलना और झुंड में चरना, यह भैंस और भेड़ का काम है। सिंह तो बिलकुल अकेला होने पर भी मग्न रहता है।

(i) कौन-सी ज़िंदगी सबसे बड़ी ज़िंदगी होती है?

(क) मस्ती की (ख) मनुष्यता की

(ग) ईमानदारी की (घ) साहसी की।

(ii) किसकी उपेक्षा करके जीने वाला व्यक्ति संसार की असली ताकत होता है?

(क) शासन की (ख) लोगों की

(ग) घर की (घ) स्वयं की।

(iii) कौन बिलकुल अकेला होने पर भी मग्न रहता है?

(क) हाथी (ख) सिंह

(ग) भैंस (घ) भेड़।

(iv) साहसी व्यक्ति किसके सपनों को पूरा करने का प्रयत्न करते हैं?

(क) पड़ोसियों के (ख) सगे-संबंधियों के

(ग) अपने (घ) देश के।

(v) इस गद्यांश का उचित शीर्षक होगा—

(क) साहसी मनुष्य (ख) साहस का उद्देश्य

(ग) साहसी की पहचान (घ) साहस की ज़िंदगी।

3. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों में से उत्तर छाँटकर लिखिए— 1 × 5 = 5

और पैरों के तले है एक पोखर
उठ रही इसमें लहरियाँ;
नील जल में जो उगी है घास भूरी,
ले रही वह भी लहरियाँ।

http://jsuniltutorial.weebly.com/

JSUNIL TUTORIAL

एक चाँदी का बड़ा-सा गोल खंभा,
आँख को है चकमकाता।
हैं कई पत्थर किनारे,
पी रहे चुपचाप पानी।
प्यास जाने कब बुझेगी।
चुप खड़ा बगुला,
डुबाए टाँग जल में;
देखते ही मीन चंचल—
ध्यान-निद्रा त्यागता है,
चट दबाकर चोंच में—
नीचे गले के डालता है।

(*i*) 'पोखर' होता है—
(क) पगडंडी (ख) चट्टान
(ग) तालाब (घ) झरना।

(*ii*) लहरियाँ कौन ले रही हैं?
(क) लताएँ (ख) घास
(ग) तालाब का जल (घ) वृक्ष के पत्ते।

(*iii*) पानी के अंदर चाँदी का बड़ा-सा गोल खंभा क्या है?
(क) पत्थर (ख) सूरज
(ग) चाँद (घ) रेत का ढेर।

(*iv*) किनारे पर पानी कौन पी रहा है?
(क) मीन (ख) बगुला
(ग) पत्थर (घ) घास।

(*v*) ध्यान-निद्रा कौन त्याग रहा है?
(क) मीन (ख) बगुला
(ग) संन्यासी (घ) लहरियाँ।

4. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर छाँटकर लिखिए— 1 × 5 = 5

नावें और जहाज़ नदी नद
सागर-जल पर तरते हैं।
पर नभ पर इनसे भी सुंदर
जलधर-निकर विचरते हैं॥
इंद्र-धनुष जो स्वर्ग-सेतु-सा
वृक्षों के शिखरों पर है।
जो धरती से नभ तक रचता
अद्भुत मार्ग मनोहर है॥

http://jsuniltutorial.weebly.com/

JSUNIL TUTORIAL

मनमाने निर्मित नदियों के
पुल से वह अति सुंदर है।
निज कृति का अभिमान व्यर्थ ही
करता अविवेकी नर है॥

(i) नभ पर क्या तैरते हैं?

(क) नावें (ख) जहाज
(ग) पक्षी (घ) बादल।

(ii) स्वर्ग का पुल किसे कहा गया है?

(क) शिव धनुष को (ख) राम धनुष को
(ग) काम धनुष को (घ) सुरेंद्र धनुष को।

(iii) धरती से आकाश तक सुंदर मार्ग की रचना कौन करता है?

(क) इंद्र-धनुष (ख) राम धनुष
(ग) शिव धनुष (घ) काम धनुष।

(iv) 'अद्‌भुत मार्ग मनोहर है' में अलंकार है—

(क) उपमा (ख) श्लेष
(ग) यमक (घ) अनुप्रास।

(v) अपनी निर्मिति पर अभिमान कौन करता है?

(क) देवता (ख) राक्षस
(ग) मानव (घ) इंद्र।

खंड—ख

5. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए— 1 × 2 = 2

(क) 'अत्युत्तम' में प्रयुक्त उपसर्ग और मूल शब्द लिखिए।
(ख) 'परा' उपसर्ग से दो शब्द बनाइए।

6. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए— 1 × 2 = 2

(क) 'बुहारी' में प्रयुक्त प्रत्यय और मूल शब्द लिखिए।
(ख) 'अंत' प्रत्यय से दो शब्द बनाइए।

7. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए— 1 × 3 = 3

(क) 'भुजदंड' समस्तपद का विग्रह करके समास का नाम लिखिए।
(ख) 'रण में वीर' समस्तपद बनाकर समास का नाम लिखिए।
(ग) 'शक्ति के अनुसार' समस्तपद बनाकर समास का नाम लिखिए।

8. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए— 1 × 4 = 4

(क) विनोद ने प्रमोद को पुस्तक दी। (अर्थ की दृष्टि से वाक्य का भेद बताइए)
(ख) ओह! कितना सुंदर दृश्य है। (अर्थ की दृष्टि से वाक्य का भेद बताइए)

http://jsuniltutorial.weebly.com/

ISUNIL TUTORIAL

(ग) कृपया पत्रोत्तर शीघ्र दें। (वाक्य का प्रकार बताइए)

(घ) वैभव परीक्षा में उत्तीर्ण हो गया। (प्रश्नवाचक वाक्य में बदलिए)

9. निम्नलिखित काव्य पंक्तियों में से अलंकार चुनकर लिखिए— 1 × 4 = 4

(क) ऊँचे घोर मंदर के अंदर रहन वारी
ऊँचे घोर मंदर के अंदर रहाती हैं।

(ख) को घटि ये वृषभानुजा, वे हल धर के वीर।

(ग) किरण की लालिमा-सी लाल मदिरा में।

(घ) मेरी भव-बाधा हरो राधा नागरि सोइ।
जा तन की झाँई परै, स्याम हरित दुति होय।

खंड—ग

10. निम्नलिखित गद्यावतरण पर आधारित प्रश्नों के उचित विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए— 2 + 2 + 1 = 5

उस समय यह देखा मैंने कि सांप्रदायिकता नहीं थी। जो अवध की लड़कियाँ थीं, वे आपस में अवधी बोलती थीं; बुंदेलखंड की आती थीं, वे बुंदेली में बोलती थीं। कोई अंतर नहीं आता था और हम पढ़ते हिंदी थे। उर्दू भी हमको पढ़ाई जाती थी, परंतु आपस में हम अपनी भाषा में ही बोलती थीं। यह बहुत बड़ी बात थी। हम एक मेस में खाते थे, एक प्रार्थना में खड़े होते थे; कोई विवाद नहीं होता था।

(*i*) उन दिनों छात्रावास का वातावरण कैसा था?

(*ii*) छात्रावास में रहने वाली लड़कियाँ कौन-कौन सी भाषाएँ बोलती थीं?

(*iii*) इन छात्राओं के अध्ययन-अध्यापन का माध्यम क्या था? इनके विद्यालय मे अन्य कौन-सी भाषा पढ़ाई जाती थी?

अथवा

सन 1857 ई० के विद्रोही नेता धुंधुपंत नाना साहब कानपुर में असफल होने पर जब भागने लगे, तो वे जल्दी मे अपनी पुत्री मैना को साथ न ले जा सके। देवी मैना बिठूर में पिता के महल में रहती थी, पर विद्रोह दमन करने के बाद अंग्रेज़ों ने बड़ी ही क्रूरता से उस निरीह और निरपराध देवी को अग्नि में भस्म कर दिया।

(*i*) विद्रोह कब हुआ था?

(*ii*) 1857 के विद्रोही नेता का क्या नाम था ?

(*iii*) नाना साहब कानपुर में असफल होने पर वहाँ क्या छोड़कर चले गए थे?

11. संक्षिप्त उत्तर दीजिए— 2 × 5 = 10

(*i*) लेखिका उर्दू-फ़ारसी क्यों नहीं सीख पाई?

(*ii*) सर टामस 'हे' के मैना पर दयाभाव के क्या कारण रहे होंगे?

(*iii*) मूक प्राणी मनुष्य से कम संवेदनशील नहीं होते। कैसे?

(*iv*) मैना के जड़ पदार्थ मकान को अंग्रेज़ क्यों नष्ट करना चाहते थे?

(*v*) लेखिका ने अपनी माँ की किन विशेषताओं का उल्लेख किया है?

http://isunil.tutorial.weebly.com/

SUNIL TUTORIAL

12. काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए— 2 + 2 + 1 = 5

देख आया चंद्र गहना।
देखता हूँ दृश्य अब मैं।
मेड़ पर इस खेत की बैठा अकेला।
एक बीते के बराबर
यह हरा ठिगना चना,
बाँधे मुरैठा शीश पर
छोटे गुलाबी फूल का,
सजकर खड़ा है।

(i) कवि कहाँ बैठा हुआ था और उसके साथ कौन था?
(ii) कवि ने खेत में किसे देखा?
(iii) चने की शोभा वर्णित कीजिए।

अथवा

तब मैं छोटा था
और मैंने यमराज के घर का पता पूछा था
उसने बताया था—
तुम जहाँ भी हो वहाँ से हमेशा दक्षिण में
माँ की सम्भावना के बाद
दक्षिण दिशा में पैर करके मैं कभी नहीं सोया
और इससे इतना फायदा जरूर हुआ
दक्षिण दिशा पहचानने में
मुझे कभी मुश्किल का सामना नहीं करना पड़ा।

(i) किसने, किसको, क्या चेतावनी दी थी?
(ii) कवि ने क्या कभी नहीं किया था?
(iii) कवि को किस कार्य में कभी कठिनाई नहीं हुई?

13. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए— 2 × 5 = 10

(i) बादलों के आने पर प्रकृति ने किन गतिशील क्रियाओं को चिह्नित किया है?
(ii) 'धूल, नदी, लता' किसके प्रतीक हैं?
(iii) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना ने प्रकृति का मानवीकरण कहाँ-कहाँ किया है?
(iv) कोमल बच्चों का काम पर जाना एक हादसे के समान क्यों है?
(v) आज हर दिशा दक्षिण दिशा क्यों हो गई है?

14. लेखक अंग्रेजी और उर्दू में अच्छा लिखने लगा था। हिंदी ने उसे सदा अपनी ओर खींचा था। लेखक ने इसके लिए अपने जाट परिवार और बचपन के युग को धन्यवाद दिया है। भाषा प्रयोग के प्रति स्वतंत्रता और उन्मुक्तता व्यक्तित्व को निखारती है। लेखक ने इसी तथ्य को आधार बनाकर बच्चन

http://sunniltutorial.weebly.com/

JSUNIL TUTORIAL

जी के प्रति आभार प्रकट करने के बाद भी उन्हें असाधारण क्यों नहीं माना? क्या जीवन में भी सभी को ऐसा ही करना चाहिए जैसा लेखक ने किया था? जीवन मूल्यों को ध्यान में रखकर उत्तर दीजिए। 5

खंड—घ

15. किसी एक विषय पर 200-250 शब्दों में निबंध लिखिए— 10
    (क) वनों का महत्त्व
    (ख) वर्तमान शिक्षा-प्रणाली : गुण-दोष
    (ग) समय का सदुपयोग।
16. केंद्र सरकार से अपने राज्य के अकाल पीड़ितों की सहायता हेतु प्रार्थना-पत्र लिखिए। 5
17. हैदराबाद में प्रशिक्षण के मध्य दुर्घटनाग्रस्त मिग जहाज़ की जाँच करने वाली समिति का प्रतिवेदन लिखिए। 5

http://jsuniltutorial.weebly.com/